जैविक संपदा के संरक्षण में अहम भूमिका निभाएंगी समितियां: डीएम

सासाराम, हिन्दुस्तान संवाददाता। रोहतास जिला के पंचायत स्तर, प्रखंड स्तर और जिला स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद की तरफ से प्रशिक्षण दिया गया। गुरूवार को शहर के मल्टी परपस हॉल में आयोजित प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ डीएम धर्मेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विशेष रुप से कार्य करें। हमको उम्मीद है कि जैव विविधता के क्षेत्र में रोहतास बेहतर कार्य करेगा। समितियां यहां की जैविक संपदा के संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगी। बहुत खुशी की बात है कि बिहार में रोहतास जिला से प्रशिक्षण की शुरुआत हो रही है।

इस अवसर पर बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के सचिव गणेश कुमार ने कहा राज्य के सभी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई है। जैव विविधता प्रबंधन समिति के राज्य में 58 हजार सदस्य हो गए हैं। वृक्षों को मित्र बनाने और विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण किया जा रहा है। 50 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले वृक्षों को हेरिटेज ऐप पर अपलोड करें। बीजू आम को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। राज्य जैव विविधता पर्षद के उपनिदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि रोहतास जिला के 229 पंचायतों में जय विविधता प्रबंधन समिति का गठन हो चुका है। सभी अध्यक्षों से आग्रह है कि वे अपने पंचायत में जाकर अपने सभी सदस्यों को इस प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताएं, उन्हें जो जानकारियां मिली उसकी जानकारी दें और अपने पंचायत में जैव विविधता के संरक्षण के बारे में आमजन को जागरूक करें। जैव विविधता एक्ट का मूल उद्देश्य है कि जैविक संसाधन को संरक्षित करना है। जैविक संसाधनों पर जैव विविधता प्रबंधन समिति का अधिकार है। वन प्रमंडल पदाधिकारी सह रोहतास जिला के जैव विविधता प्रबंधन समिति के नोडल पदाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि जैविक संसाधन से समितियां लाभान्वित हो सकती है। जैविक संसाधनों पर समितियों का अधिकार है। समितियों की अनुमति के बिना कोई भी जैविक संसाधन को पंचायत से बाहर नहीं ले जा सकता है। भागलपुर में जैविक संसाधनों को लेने के लिए कंपनियां अनुमति मांगी हैं। कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज के वैज्ञानिक डॉ रतन कुमार ने जैव विविधता पंजी के संधारण के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। राज्य परियोजना प्रबंधक जल एवं स्वच्छता तवरेज आलम ने जय विविधता प्रबंधन समिति के गठन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। राज्य जैव विविधता पर्षद के जीआईएस एंड रिमोट सेंसिंग पदाधिकारी भावेशकुमार ने हेरीटेंज फ्री ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्षों से अपील किया कि इस ऐप का इस्तेमाल करें व अपने पंचायत के 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले पेड़ों को ऐप में डालें।

कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता का दिलाया गया संकल्प

कार्यक्रम के अंत में मानी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृत्युंजय मानी ने पर्यावरण एवं स्वच्छता का संकल्प दिलाया। साथ हीं अपील किया कि मानी जैव विविधता प्रबंधन समिति की तर्ज पर अपने-अपने पंचायतों में क्लबों का गठन करें और जैव विविधता संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करें।

फजलगंज स्थित मल्टी परपस हॉल में कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम।